हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–279 : जौनपुर, मंगलवार 11 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

बारिश का कहर

34 लोगों की मौत, कई राज्यों में स्कूल बंद, पंजाब में सेना से मांगी मदद

एजेंसी

नई दिल्ली। बारिश ने उत्तर और पश्चिम भारत में तबाही मचा दी है। हिमाचल प्रदेश समेत पहाड़ी राज्यों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। बीते 24 घंटे के दौरान मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन, बादल फटने, घर ध्वस्त होने, पेड़ और बिजली गिरने से 34 लोगों की मौत हो गई है। उत्तरी भारत के बड़े भूभाग से गुजरने वाली यमुना और उसकी सहायक नदियां उफान मार रही हैं। पहाड़ी इलाकों में बारिश ने बाढ़ का रूप लिया और सड़कों तक को बहा कर ले गई। राजधानी दिल्ली, पंजाब, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सड़कों पर पानी इस कदर फैला कि रोड पर खड़ी गाड़ियां, कागज की नाव सी दिखाई देने लगीं। दिल्ली में तो बारिश ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। राजधानी में जुलाई महीने में 1982 के बाद से अब तक ऐसे बादल नहीं बरसे। हिमाचल प्रदेश के सोलन में तो 135 मिमी बारिश दर्ज की गई। आखिरी बार सोलन वालों ने 1971 में ऐसी बारिश देखी, तब भी 105 मिमी ही बारिश दर्ज की गई थी। यानी सोलन ने अपने 50 साल के इतिहास में ऐसी आसमानी आफत नहीं देखी। बारिश ने ऊना में भी रिकॉर्ड तोड़ा। 1993 के बाद ऊना में सबसे ज्यादा बारिश रविवार को दर्ज की गई। आलम ये था कि बारिश मकानों को तक बहा कर ले गई। दिल्ली फायर ब्रिगेड चीफ अतुल गर्ग ने बताया कि रविवार को मूसलाधार बारिश के चलते 15 घर ढह गए, जिसके चलते 2 लोगों की मौत हो गई। बारिश का कहर ये रहा है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने भी 10 जुलाई यानी सोमवार को वकीलों की गैर मौजूदगी में आदेश पारित करने से राहत दी है। ट्रैफिक पुलिस ने भी तीन हजार से ज्यादा कर्मियों को सड़कों पर उतारा है। ये आफत अभी जल्द थमनी नहीं है। मौसम विभाग ने सूबे में पूरे हफ्ते बारिश की चेतावनी जारी करते हुए येलो अलर्ट किया है। दिल्ली से सटे नोएडा में 10 से 12 जुलाई तक सभी स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में फंसे लोगों को बचाने के लिए छक्त्थ् को पानी में उतरना पड़ा। बारिश से मची आफत को कम करने की कोशिश में कलेक्टर ने इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर तैयार किया है। साथ ही एक इमरजेंसी नंबर (8826797248) जारी किया गया है। हिमाचल में बारिश पहाड़ से भूस्खलन के रूप में आफत बनकर गिर रही है। सूबे में पिछले 24 घंटों के दौरान ही 6 लोगों की मौत हो गई है और 3 लोग

लापता हैं। सैंकड़ों लोग बारिश से उपजी आफत के चलते अलग–अलग जगहों पर फंसे हुए हैं।

बात पिछले 16 दिनों की करें तो हिमाचल भर में 54 लोगों की मौत हो चुकी है और चार लापता हैं। जान से इतर माल को हुए नुकसान का जायजा लिया जाए तो राज्य के च्ॅव् विभाग को ही दो दिनों में बारिश के चलते 340 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। सूबे में 776 रोड पेड़ गिरने या भूस्खलन के कारण बाधित हैं। इनमें से तीन तो राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। वहीं पंजाब की बात करें तो यहां बारिश कहर बनकर टूटी और अगले दिन भी ये कहर जारी रहने का अनुमान लगाया गया है। हालत ये हैं कि इस आसमानी आफत का सामना करने के लिए सरकार को भारतीय सेना की मदद मांगनी पड़ी। गृह सचिव ने वेस्टर्न कमांड को चिट्ठी लिखकर मोहाली के आस–पास के इलाकों में सेना को मदद के लिए तैयार रहने का निवेदन भेजा है।

मोहाली के स्कूलों को सोमवार के दिन बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। सूबे के सभी 10 जिलों में सोमवार को भी भारी बारिश का अलर्ट घोषित किया गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने सभी मंत्रियों को आदेश दिया है कि वो भारी बारिश से राहत के लिए किए जा रहे प्रयासों पर नजर रखने के लिए खुद फील्ड में जाएं। ऐसे ही एक प्रयास में मोहाली के खरड़ से विधायक और राज्य की पर्यटन मंत्री अनमोल गगन मान का पैर फ्रैक्चर हो गया। पंजाब के लुधियाना में बारिश का कहर इस कदर बरपा है कि डिप्टी कमिश्नर ने सोमवार को स्कूल में छुट्टी के आदेश जारी कर दिए हैं। शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने सूबे में बाढ़ से जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा है, उन्हें पांच–पांच लाख रुपए की मदद की मांग की है। जिन किसानों की फसलों को बाढ़ के चलते नुकसान पहुंचा है, उन्हें भी 25 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता देने की मांग बादल ने की है।हरियाणा में शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर को निर्देश दिया है कि वो 10 जुलाई को बारिश के हालात देखकर अपने–अपने इलाकों के स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर सकते हैं। भारी बारिश से जूझ रही दिल्ली में आज भी मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पहले से ही राष्ट्रीय राजधानी से गुजरने वाली यमुना नदी उफान पर है। यमुनानगर हथनी कुंड बैराज में पानी का लेवल अब 3 लाख 9 हजार क्यूसेक तक पहुंच गया है। यमुना नदी खतरे के निशान से काफी ऊपर बह रही है। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के चलते पानी का लेवल और भी बढ़ने की संभावना है। ऐसे में दिल्ली के निचले इलाकों में बाढ़ की संभावना भी है।

कैबिनेट मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने घग्गर व अन्य नदियों और भारी बारिश से प्रभावित गांवों का लिया जायजा

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने तेज बहाव वाले घग्गर दरिया, झम्बो ड्रेन और अन्य बरसाती नालों सहित समाना निर्वाचन क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों का दौरा किया और भारी बारिश से पैदा हुई स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी तरह की अफवाहों पर विश्वास न करें और ना ही घबराएं, बल्कि जरूरत पडने पर तुरंत जिला प्रशासन द्वारा स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।

अपने दौरे के दौरान लोगों से बातचीत करते हुए स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि पटियाला और घग्गर एवं अन्य नदियों के कैचमेंट एरिया में हो रही भारी बारिश के चलते, मुख्यमंत्री स. भगवंत मान द्वारा जारी आदेशों के मद्देनजर पंजाब सरकार लगातार निगरानी रख रही है और जिलों को पूरी तरह से सतर्क रहने और लोगों की जान–माल की सुरक्षा के लिए लगातार सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इस मौके पर लोगों से प्राप्त फीडबैक के तहत स. जोड़ामाजरा ने जल निकास, लोक निर्माण, मंडी बोर्ड, ग्रामीण विकास एवं पंचायत सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को हिदायत की कि वह मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश की जारी चेतावनियों के मद्देनजर अधिक सतर्क रहें और घग्गर सहित अन्य नदियों और नालों के बहाव पर निरंतर निगरानी रखें ताकि बाढ़ जैसी संभावित स्थिति की सूरत में लोगों को तत्काल राहत प्रदान की जा सके।

उन्होंने कहा कि मौजूदा प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए पूरी सरकारी मशीनरी हर संभव प्रयास कर रही है, वहीं मुख्यमंत्री ने भी विशेष गिरदावरी करने के आदेश जारी किए हैं ताकि किसानों के नुकसान की तुरंत भरपाई की जा सके।

स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने घग्गर नदी और झम्बो ड्रेन के साथ–साथ समाना शहर और हलके से गुजरतीं अन्य ड्रेनों का भी जायजा लिया। उन्होंने धारमेड़ी, धिउरा, सूलर, जेपी कलोनी, धनोरी, सस्सा, सस्सी, सस्सा थेह, नवां गांव, मैण, कमालपुर, हरिपुर आदि गांवों का भी दौरा किया और स्थानीय निवासियों से बातचीत कर फीडबैक ली।

लोक संपर्क मंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार इस कठिन समय में अपने नागरिकों के साथ खड़ी है। इस मौके पर उनके साथ गुरदेव सिंह टिवाणा, बलकार सिंह गज्जूमाजरा, सुरजीत सिंह फौजी, अमरदीप सिंह सोनू थिंद, मनिंदर सिंह, कमलप्रीत सिंह सरपंच सूलर और अन्य गणमान्य मौजूद थे।

योगी कैबिनेट की बैठक : 16 प्रस्तावों पर मंगलवार को होगी चर्चा, कई अटके मामलों पर मिल सकती है मंजूरी

संवाददाता

लखनऊ। मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ के कैबिनेट की बैठक होनी है। इस बैठक में 16 प्रस्तावों पर चर्चा होनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को सुबह 11 बजे लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक होगी। बैठक में प्रदेश में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन के लिए अध्यादेश का अनुमोदन किया जाएगा। कैबिनेट में 16 से अधिक प्रस्तावों पर चर्चा होगी।

कैबिनेट में बहराइच के ग्राम बहराइच खास में नॉन.जेड.ए आबादी में जिला पूर्ति कार्यालय के सामने स्थित जर्जर राजस्व भवन को ध्वस्त करने का प्रस्ताव पर चर्चा होगी। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग में अधीक्षण अभियंताओं की पदोन्नति का रास्ता साफ होगा कैबिनेट में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (सिंचाई विभाग) (समूह क) (ष्टटम संशोधन) नियमावली 2023 को मंजूरी दी जा सकती है। नियमावली को मंजूरी मिलने के बाद विभाग में अधीक्षण अभियंता से मुख्य अभियंता लेवल–2 के पदों पर पदोन्नति का रास्ता साफ होगा। विभाग में वर्तमान व्यवस्था के तहत अधीक्षण अभियंता से मुख्य अभियंता लेवल 2 के पद पर पदोन्नति के लिए न्यूनतम 25 वर्ष की सेवा होना आवश्यक है। विभाग के पास इतनी लंबी सेवा वाले अधीक्षण अभियंता नहीं होने के कारण बीते तीन साल से पदोन्नति अटकी हुई है। विभाग में मुख्य अभियंता के 37 में से 18 पद भी खाली चल रहे हैं। नियमावली में संशोधन कर अधीक्षण अभियंता से मुख्य अभियंता पद पर पदोन्नति के लिए सेवाकाल की अवधि को 25 से घटाकर 22 साल किया जा रहा है। मथुरा में सर्किट हाउस का निर्माण किया जाएगा। सर्किट हाउस के निर्माण के लि पशुपालन विभाग के दीनदयाल पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

एवं गो अनुसंधान संस्थान की जमीन में से दो हेक्टेयर भूमि निशुल्क लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित की जाएगी। वहीं रामपुर जिले में रामपुर–शाहबाद–बाजपुर मार्ग पर 57.592 किलोमीटर लंबी सड़क के चौडीकरण और सुंदरीकरण का प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी।

बाबा बैद्यनाथ धाम सहित सभी शिवालयों में लगा भक्तों का तांता

एजेंसी

पटना/देवघर। सावन के महीने में सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ देखी जाती है लेकिन सावन महीने

की पहली सोमवारी के मौके पर आज भगवान शिव के मंदिर में भक्तों का सुबह से ही तांता लगा हुआ है।

सोमवार के मौके पर मंदिर परिसरों को आकर्षक ढ़ंग से सजाया गया है। झारखंड के देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम और वासुकीनाथधाम मंदिर के रास्ते कावड़ियों के बोलबम के नारे से गूंज रहे हैं। सुल्तानगंज से उतरवाहिनी गंगा का पवित्र जल उठाकर 105 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा कर कांवडिये बैद्यनाथ धाम पहुंचकर कामना लिंग पर जलाभिषेक करते हैं।

सुबह चार बजे की विशेष पूजा के बाद से ही यहां भक्तों द्वारा जलाभिषेक प्रारंभ हुआ जो बदस्तूर जारी है। बैद्यनाथ धाम में कांवड़ियों की मुख्य मंदिर से पूर्व करीब चार किलोमीटर लंबी कतार लगी हुई है।

मेला क्षेत्र में सुरक्षा की कमान संभाल रहे पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सावन महीने की पहली सोमवारी को एक लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर का पट रात को श्रृंगार पूजा के बाद बंद कर दिया जाएगा। वासुकीनाथ मंदिर में भी बाबा के भक्तों का आना जारी है। यहां भी सुबह से ही भक्तों की लंबी कतार लगी हुई है। बिहार की राजधानी पटना के बैकुंठपुर मंदिर, गायघाट के गौरीशंकर मंदिर, पटना सिटी के तिलेश्वर महादेव मंदिर, अलखिया बाबा मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है।

हरिद्वार में नदी का बढ़ा जलस्तर, सावधानी बरतने के निर्देश

हरिद्वार। वर्षा के कारण उत्तराखंड राज्य के जनपद हरिद्वार में नदी के जल स्तर में हो रही वृद्धि की संभावना को देखते हुए सावधानी बरतने के सम्बन्ध में निर्देश दिए गए हैं। उपरोक्त विषयक केन्द्रीय जल आयोग कार्यालय अधिशासी अभियन्ता हिमालयी गंगा मण्डल, हरिद्वार से दूरभाष पर हुई वार्ता एवं वेबसाईट पर प्राप्त सूचना दिनांक 09.07.2023 (प्रति संलग्न) के अनुसार, सोलानी नदी का जलस्तर रूड़की (हरिद्वार) में चेतावनी के स्तर से ऊपर प्रदर्शित कर रहा है। अतरू इसके दृष्टिगत अपने जनपद में आम जनमानस के बचाव हेतु समस्त ईकाइयों को सक्रिय करते हुए आवश्यक कार्रवाई कराना सुनिश्चत करें।

हाईकोर्ट ने पंचायत में हिंसा पर बीएसएफ के आईजी से मांगी रिपोर्ट

– उच्च न्यायालय में सांसद अधीर चौधरी की याचिका पर हुई सुनवाई

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को पंचायत चुनाव की वोटिंग के दौरान जमकर हिंसा हुई तो पुनर्मतदान के दिन भी गड़बड़ी व

हिंसा की छिटपुट घटनाएं घटी। अधीर रंजन चौधरी ने पीडिघ्तों को मुआवजा दिए जाने समेत तीन मांगें उठाई हैं। साथ ही ममता सरकार से सवाल किया कि हिंसा क्यों हुई?। अधीर चौधरी ने मुख्य न्यायाधीश से पंचायत चुनाव की अशांति को लेकर सवाल करते हुए कहा, सुप्रभात मैं मुर्शिदाबाद से हूं। मेरे जिले मुर्शिदाबाद समेत पूरे राज्य में अशांति है। हर दिन मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि मृतकों के परिजनों को नहीं पता कि शव लाने के लिए कहां जाएं। ऐसे में आज कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बीएसएफ आईजी और राज्य सरकार से पंचायत चुनावों को लेकर राजनीतिक हिंसा पर एक रिपोर्ट सौंपने को कहा। उच्च न्यायालय ने कहा, राज्य सरकार को घायल लोगों को अच्छी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करनी होंगी।आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से दायर मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवज्ञानम की खंडपीठ ने आदेश दिया कि घायलों को सरकारी अस्पतालों में इलाज कराया जाये। जरूरत पडने पर इलाज के लिए राज्य के किसी बड़े अस्पताल में ले जाना चाहिए। इसके अलावा, अदालत ने राज्य को मृतक के अंतिम संस्कार में हर संभव सहायता प्रदान करने का आदेश दिया।पोस्ट मार्टम की वीडियोग्राफी का भी आदेश दिया गया है। घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी जानी चाहिए। रिपोर्ट के बाद ही कोर्ट मुआवजे पर फैसला करेगा। इसके बाद चीफ जस्टिस ने कहा, मुझे अपने केस की एक कॉपी दीजिए। मामले को अनुमति देना. राज्य के महाधिवक्ता को सूचित करें।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला : सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने 2 हफ्ते के लिए बढ़ाई अंतरिम जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी नेता और पूर्व

मंत्री सत्येन्द्र जैन को चिकित्सा आधार पर दी गई अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ा दी। न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश की पीठ ने जैन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी को मेडिकल रिपोर्ट रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया और अंतरिम जमानत 24 जुलाई तक बढ़ा दी।

सिंघवी ने कहा, तीन अस्पतालों ने जैन के लिए सर्जरी की सिफारिश की है। सिंघवी की इस दलील पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने अदालत से अनुरोध किया कि इस बीच एम्स के डॉक्टरों के एक पैनल द्वारा स्वतंत्र मूल्यांकन किया जाए। एक संक्षिप्त सुनवाई के बाद, अदालत ने सिंघवी को जैन की मेडिकल रिपोर्ट एएसजी राजू को सौंपने के लिए कहते हुए मामले को 24 जुलाई लिए पोस्ट कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई को दिल्ली सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री को अपनी पसंद के निजी अस्पताल में इलाज कराने के लिए छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दी थी। इस साल अप्रैल में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग जांच मामले में जैन और उनके दो सहयोगियों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जैन पिछले साल 30 मई से हिरासत में हैं।

सर्पदंश से बालिका की हुई मौत

संवाददाता

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के रतेह चौराहे स्थित मकान के अंदर सोमवार की दोपहर फर्स पर मौजूद सर्प के दंश से एक छह वर्षीय बालिका की हालत बिगड़ने पर बालिका के स्वजन आनन फानन में झाडफूंक दवा पिलाने के लिए करनपुर लेकर जा रहे थे कि रास्ते में बालिका की मौत हो गई। बालिका की मौत की सूचना मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। इसी दौरान टीनशेड के सहारे फर्स पर पहुंचे किसी जहरीले सर्प ने बालिका के पैर में दंस लिया जिस पर बालिका की हालत बिगड़ने पर बालिका के स्वजन आनन फानन में उसे झाडफूंक व दवा पिलवाने के लिए करनपुर लेकर जा रहे थे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर केंद्र शासित राज्यों के कर्मचारियों ने जंतर मंतर पर लगाए नारे

नई दिल्ली। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर दिल्ली और केंद्र शासित राज्यों के कर्मचारियों के संगठन ने जंतर मंतर पर तेज बारिश में भी सरकार के खिलाफ जमकर नारे बाजी की और चेतावनी दी। जंतर–मंतर पर हुए इस आंदोलन में दिल्ली के तकरीबन 50 कर्मचारी संगठन शामिल हुए हैं, जिनमें दिल्ली नर्सेज फेडरेशन सेंट्रल गवर्नमेंट, हॉस्पिटल्स नर्सेज फेडरेशन के साथ–साथ दिल्ली के तमाम शिक्षक संगठन भी शामिल रहे। धरने के दौरान सरकार को चेतावनी दी गई है।

वन महोत्सव का उद्घाटन कर नीतीश कुमार बोले– दो माह में होगा 4 करोड़ पौधारोपण

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को मुख्य सचिवालय परिसर में मॉलसी पौधा का रोपण कर राज्यस्तरीय वन महोत्सव–2023 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दो माह के अंदर 4 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया जाएगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेजप्रताप यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी भी उपस्थित रहे। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने सिंचाई भवन के नवनिर्मित बेसमेंट पार्किंग का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के अलग होने के बाद बिहार का हरित आवरण क्षेत्र 9 प्रतिशत ही रह गया था। हरित आवरण क्षेत्र बढ़ाने के लिए वर्ष 2012 से हम लोगों ने पौधारोपण शुरु किया। वर्ष 2019 में जल–जीवन–हरियाली अभियान की शुरुआत कराकर हमलोगों ने इसको और आगे बढ़ाया। राज्य का हरित आवरण क्षेत्र अब बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है। नीतीश कुमार ने कहा कि आज जो कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, उसके अंतर्गत दो माह के अंदर 4 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया जाएगा। हमारी चाहत है, राज्य का हरित आवरण क्षेत्र जल्द से जल्द 17 प्रतिशत हो जाए। बिहार का क्षेत्रफल कम और आबादी घनी है। इसको ध्यान में रखते हुए हमलोग 17 प्रतिशत हरित आवरण क्षेत्र के लिए काम कर रहे हैं। पहले पेड़ों की कमी थी, अब हर जगह पेड़ दिखाई देने लगे हैं।

सम्पादकीय

मानवीय भूल का कारण?

क्या सिग्लन सिस्टम और दूरसंचार की व्यवस्था आधुनिक मानदंडों पर खरी थी और इससे बावजूद मानवीय भूल हुई? और क्या ऐसी संवेदनशील ड्यूटी निभाने के लिए मानव को जो उचित परिस्थितियां मिलनी चाहिए, वह वहां मौजूद होने के बावजूद ये हादसा हुआ?

ओडिशा के बालासोर में पिछले दो जून को हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना के बारे रेल सुरक्षा आयुक्त की जांच इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि यह हादसा मानवीय भूल के कारण हुई। इस भूल के लिए सिग्नल और दूरसंचार विभाग दोषी था। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच रिपोर्ट रेल मंत्री को सौंप दी गई है, लेकिन सरकार ने अभी इसे स्वीकार नहीं किया है। इस जांच का एक मतलब यह है कि हादसे के पीछे तोडफोड़ का अंदेशा खारिज हो जाता है। इसी अंदेशे के कारण यह जांच सीबीआई को भी सौंपी गई थी। बहरहाल, जितनी सूचनाएं सामने आई हैं, उनसे इस पर रोशनी नहीं पड़ती कि मानवीय भूल का कारण क्या था? क्या सिग्लन सिस्टम और दूरसंचार की व्यवस्था आधुनिक मानदंडों पर खरी थी और इससे बावजूद यह भूल हुई? और क्या ऐसी संवेदनशील ड्यूटी निभाने के लिए मानव को जो उचित परिस्थितियां मिलनी चाहिए, वह वहां मौजूद होने के बावजूद यह हादसा हुआ? ये सवाल इसलिए अहम हैं, क्योंकि रेलवे में सुरक्षा संबंधी स्टाफ में भारी कमी और तकनीकी व्यवस्थाओं के कमजोर पडने की खबरें अक्सर आती रहती हैं।

अक्सर ऐसी बुनियादी और ढांचागत समस्याएं मानवीय भूल की वजह बन जाती हैं। बालासोर में ऐसा हुआ या नहीं, यह कहने की स्थिति में हम नहीं हैं। बल्कि लोगों को अपेक्षा इस बात की है कि इस हादसे की होने वाली जांच में इस पूरी पृष्ठभूमि को खंगाला जाए। जिस हादसे में 291 जानें गईं और लगभग 900 लोग जख्मी हुए, उसे सिर्फ यह सोच कर नहीं भुलाया जा सकता कि किसी कर्मचारी की भूल से यह सब हो गया। या किसी एक कर्मचारी या एक विभाग के कर्मचारियों को दंडित करना भी पर्याप्त नहीं होगा। मुद्दा यह है कि भारतीय रेल की बुनियाद कमजोर पड़ती चली गई है। अगर उसे दुरुस्त नहीं किया गया, तो हादसों से बचना मुश्किल होगा। हकीकत यह है कि छोटे–मोटे हादसे आम तौर पर होते रहते हैं, जिन पर उनसे संबंधित लोगों के अलावा किसी और का ध्यान तक नहीं जाता। बालासोर दुर्घटना अपने भीषण रूप के कारण चर्चित हुई। तो यह मौका पूरे संदर्भ पर स्पॉटलाइट डालने का है।

संगठन में हर जगह मजबूरी

भाजपा न केवल चुनावी एजेंडे को लेकर दुविधा में है बल्किवह यह भी नहीं बूझ पा रही है कि कौन सा मुद्दा क्लिक करेगा? पार्टी संगठन को लेकर भी संशय में है। हर जगह पार्टी मजबूरी में समझौता कर रही है। सोचें, कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा के प्रदेश नेताओं की पहली बैठक में यह मुद्दा उठा था कि पार्टी ने बहुत समझौते किए। अलग–अलग समूहों की तुष्टिकरण के हिसाब से टिकट बांटे इसलिए पार्टी हारी। इसके बावजूद पार्टी की मजबूरी है कि वह तुष्टिकरण की नीति नहीं छोड़ पा रही है। सभी राज्यों में भाजपा मजबूरी में समझौते कर रही है। राज्यों में मजबूरी के अध्यक्ष बनाए जा रहे हैं। बाहर से आए नेताओं को प्रदेश की कमान दी जा रही है।

हरिशंकर व्यास

भाजपा ने झारखंड में बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। दिसंबर 2019 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा ने उनकी पार्टी झारखंड विकास मोर्चा का विलय अपनी पार्टी में कराया था। कोई 13 साल बाद मरांडी की घर वापसी हुई थी। तब पार्टी ने उनको विधायक दल का नेता बनाया लेकिन साढ़े तीन साल में उनको नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं मिला। उनकी पार्टी के बाकी दो विधायक कांग्रेस में चले गए हैं और उनकी शिकायत पर मरांडी की सदस्यता का मामला अटका है, जिस पर स्पीकर को फैसला करना है। जब वे नेता विपक्ष नहीं बन पाए तो अब उनको प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। मरांडी को झारखंड की कमान देने की दो मजबूरी है। पहली तो यह कि देश भर से यह मैसेज है कि आदिवासी भाजपा से नाराज हैं। कर्नाटक में भाजपा एक भी आदिवासी सीट नहीं जीत पाई। अब छत्तीसगढ़ में चुनाव है, जहां 27 फीसदी आदिवासी हैं और मध्य प्रदेश में भी 14 फीसदी आदिवासी हैं। दूसरी मजबूरी यह है कि झारखंड में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा एसटी के लिए आरक्षित 28 में से सिर्फ दो सीट जीत पाई थी। पिछले साढ़े तीन साल में आदिवासी नेता के तौर पर हेमंत सोरेन स्थापित हुए हैं। तभी भाजपा ने 2014 में जो गैर आदिवासी राजनीति करने का रास्ता चुना था उसको छोड़ कर अब वह मजबूरी में आदिवासी राजनीति पर लौटी।

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी अभी तक न विधायक दल का नेता चुन पाई और न प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हुआ। भाजपा ने कई बार की बैठकों के बाद चार राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए। उसके साथ ही कर्नाटक में भी अध्यक्ष नियुक्त होना था। नलिन कुमार कतिल का कार्यकाल पिछले साल अगस्त में खत्म हो गया था और अब विस्तारित कार्यकाल भी खत्म हो रहा है। लेकिन बीएस येदियुरप्पा बनाम अन्य की लड़ाई में कोई फैसला नहीं हुआ। चुनाव के बाद विधानसभा का सत्र चालू हो गया लेकिन दो महीने में भाजपा विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई बनेंगे या कोई और इसका फैसला नहीं हो पाया। जिस राज्य में एडजस्टमेंट की राजनीति का सबसे ज्यादा विरोध हुआ वही पर समझौते के प्रयास चल रहे हैं। भाजपा ने पिछले तीन महीने में छह राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बदले हैं, जिनमें से तीन राज्यों में दूसरी पार्टियों से आए नेताओं को पार्टी की कमान दी गई है। सोचें, एक समय था, जब राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की दीक्षा के बगैर संगठन में कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलती थी लेकिन अब दूसरी पार्टियों से आकर एक साल के अंदर नेता प्रदेश अध्यक्ष बन रहे हैं। भाजपा ने पंजाब में सुनील जाखड़ को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है, जो पिछले ही साल कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए। अपनी हताशा में भाजपा सोच रही है कि जाखड़ जाट सिख और हिंदू दोनों वोट भाजपा को दिला देंगे। इसी तरह आंध्र प्रदेश में भाजपा ने डी पुरंदेश्वरी को अध्यक्ष बनाया है, जो दिवंगत एनटी रामाराव की बेटी हैं। वे पहले टीडीपी में थीं और वहां से कांग्रेस में गई थीं, जहां मनमोहन सिंह की सरकार में उनको मंत्री बनाया गया था। वे कांग्रेस छोड़ कर भाजपा मे गईं तो महासचिव बनीं और अब आंध्र प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा को लग रहा है कि पुरंदेश्वरी अपने परिवार की पार्टी टीडीपी के साथ तालमेल में काम आएंगी। इससे पहले बिहार में सम्राट चौधरी को अध्यक्ष बनाया गया, जो पहले राजद में थे और फिर जदयू में चले गए थे। उनको अध्यक्ष बना कर भाजपा कुशवाहा और अन्य पिछड़ी जातियों का वोट जोडने की कोशिश कर रही है।अपने संगठन में इधर उधर से आए नेताओं को कमान देकर भाजपा चुनावी जीत का तानाबाना बना रही है और साथ ही दर्जनों छोटी छोटी पार्टियों से तालमेल करके एक एक सीट की रणनीति बना रही है। जितने सहयोगी साथ छोड़ कर चले गए थे सबको वापस लाने की कोशिश हो रही है। इसके लिए मंत्रिमंडल में जगह बनाई जा रही है ताकि उनके नेताओं को केंद्र सरकार में मंत्री बनाया जा सके।

तो ट्विटर को थ्रेड्स खा जाएगा?

श्रुति व्यास

थ्रेड्स – ये नाम है हमारी सोच को दुनिया से साझा करने के सबसे नए जरिये का। यह नया एप स्टाइलिश है, और अपने जैसे अन्य एप्स से जरा हटकर है। यह एप फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग का है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह एलन मस्क के ट्विटर को खत्म कर देगा। साथ ही यह हमारे दिमाग को खत्म करने वाला एप भी है। लेकिन इसकी चर्चा बाद में।

जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने दस साल से भी अधिक समय पहले लोकप्रिय फोटो शेयरिंग एप इंस्टाग्राम पेश किया था। थ्रेड्स इसी की अगली कड़ी है। इन दिनों फेसबुक के मुकाबले इंस्टाग्राम ज्यादा फैशन में है। जैसा कि आज के नौजवान कहते हैं, श्फेसबुक हमारे पिताओं और दादाओं के लिए है और इंस्टाग्राम हमारे लिए।बात एकदम सही है।

अपने पहले दिन में ही थ्रेडस के यूजर्स की संख्या करोड़ों में जा पहुंची। इसे अपनाने वाले लोगों और कंपनियां में नेटफ्लिक्स, गोर्डन रेमसे, शकीरा और एचबीओ शामिल हैं। अभी–अभी खबर मिली है कि ओपरा विनफ्रे और दलाई लामा से भी इससे जुडने का आग्रह किया गया है। हैरानी इस बात की है कि ये पंक्तियां लिखे जाने तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इससे नहीं जुड़े हैं। आश्चर्यजनक है कि ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह इससे जुड़ चुके हैं। जहां तक मेरा सवाल है, इसमें शामिल होने वालों में मेरा नंबर 58,50,255वां है। मैं इस सोशल मीडिया एप से जुडने को मजबूर इसलिए हुई क्योंकि उसे लेकर हो रहे शोर–शराबे को नजरअंदाज करना असंभव था। साथ ही, उसके बारे में लिखने के लिए उसे अनुभव करना जरूरी था। और फिर ऐसी कोई भी चीज जो एलन मस्क के ट्विटर के खात्मे का दावा करे का अनुभव किया ही जाना चाहिए!

मार्क जुकरबर्ग का थ्रेडस अपने सुनहरे दौर के पुराने ट्विटर जैसा है। यह साफ–सुथरा और संयत है और (अभी तक) केवल चर्चा और पोस्टों तक सीमित है। जो कूल है उसे अपनाना तो जरूरी है ही क्योंकि उसे ही जनता पसंद करती है। नीले रंग की जगह काले ने ले ली है और चिडिया जी जगह श्एट्च के निशान 6ञ्च8 ने। बाकी सब ट्विटर जैसा ही है। थ्रेडस में भी शब्दों में लिखे संदेश एक फीड में पोस्ट किए जाते हैं, जिसे स्क्राल किया जा सकता है और इस फीड में यूजर जिन्हें फालो करता है और जो यूजर को फालो करते हैं, पोस्टों का जवाब दे सकते हैं। एप पर वीडियो और फोटो भी पोस्ट किए जा सकते हैं। आप जिन्हें फालो कर रहे हैं उनकी लिस्ट अभी थ्रेड्स में नहीं दिखती और ना ही इसके जरिये वे आपको डीएम (डायरेक्ट मैसेज) भेज सकते हैं। लेकिन थ्रेडस पर पोस्ट 500 अक्षरों तक के हो सकते हैं। यह संख्या ट्विटर के यूजर्स के लिए

280 तक सीमित है। पांच मिनट तक के वीडियो भी पोस्ट किए जा सकते हैं और किसी भी पोस्ट को लिंक के जरिये से अन्य प्लेटफार्मों पर शेयर किया जा सकता है।

चूंकि मेटा पहले से ही आनलाइन दुनिया पर छाया हुआ है, इसलिए थ्रेडस पर साइनअप करना बहुत आसान है। इसके लिए केवल आपका इंस्टाग्राम एकाउंट होना चाहिए और आप उसके जरिए ही थ्रेड पर लाग इन कर सकते हैं। आपका इंस्टाग्राम यूजर नेम ही चल जाएगा, आप जिनको फालो करते हैं उनकी सूची, आपका जीवन परिचय और आपकी फोटो भी आ जाएगी। इसलिए आपको सब कुछ जीरो से शुरू नहीं करना होगा बल्कि आप सीधे थ्रेड का उपयोग कर सकेंगे। जुकरबर्ग ने फेसबुक वाले अंकलों और आंटियों को यह सहूलियत नहीं दी है इसलिए आपको थ्रेड तक पहुंचने के लिए पहले इंस्टाग्राम से जुडना होगा।

कई टेक्नोलॉजी कंपनियों ने हाल के महीनों में ट्विटर में उथल–पुथल का फायदा उठाने की कोशिश की है। और मेटा भी कई अन्य कंपनियों – ब्लूस्काई, मेस्टडोन, स्पिल, सबस्टेक नोट्स और कई और – की तरह किसी दौर के सबके चहेते लेकिन आज गोते खा रहे ट्विटर से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि एलन मस्क के कब्जे में जाने के बाद से ट्विटर बर्बाद हो गया है। मस्क ने इसके अल्गोरिथम और अन्य फीचर्स के साथ छेड़छाड़ करके इसके यूजर्स को मिलने वाले अनुभव में बहुत बदलाव ला दिया हो। यह गैर–बराबरी को बढ़ावा देना वाला प्लेटफार्म बन गया है। और हाल में यूजर्स द्वारा पढ़े जा सकने वाले ट्वीटस की संख्या को अस्थायी रूप से सीमित कर दिया था, जिस पर बहुत गुस्सा है। ट्विटर वाकई तबाह हो गया है! थ्रेडस को मेटा के अकूत आर्थिक संसाधनों और इंस्टाग्राम यूजर्स की विशाल संख्या – जो दुनिया भर में 200 करोड़ से ज्यादा हैं – का फायदा मिलेगा। और प्रतिस्पर्धी के रूप में जुकरबर्ग को हल्के में नहीं लिया जा सकता। किस्मत भी उनके साथ है और यही कारण है कि वे केवल दूसरों की नकल कर अपना एक बड़ा व्यापारिक साम्राज्य खड़ा कर पाए हैं। थ्रेड्स एकदम ट्विटर जैसा है। इसमें कोई नयापन या नया फीचर नहीं है। जैसे रील्स, टिक–टाक से मिलता–जुलता था और फेसबुक मैसेंजर, स्नेपचौट जैसा था। लेकिन थ्रेडस इसलिए सफल हो सकता है क्योंकि लोग एलेन मस्क और उनके दक्षिणपंथ और दक्षिणपंथी नेताओं की तरफ झुकाव और गंवार जोकर जैसे रंग–ढंग से तंग आ चुके हैं।

जहां तक हमारा सवाल है, स्क्रीन को स्क्रॉल करते–करते हमारे दिमाग थक जाते हैं और हमारी उंगलियां सुन्न हो जाती हैं। या शायद हम रील्स और पोस्ट बनाते–बनाते तंग आ चुके हैं जो वास्तविक जीवन का एक मुखौटा भर हैं। या जब तक हमें यह एहसास नहीं हो जाता कि हम 21वी सदी के अनाड़ी लंगूर बन गए हैं।

यूपी में कांग्रेस को नेता की तलाश

राजेश सिंह

कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में नेता तलाश रही है। पिछले करीब पांच साल से प्रियंका गांधी वाड्रा प्रभारी के

तौर पर उत्तर प्रदेश में काम कर रही थीं। उन्होंने पहले अजय सिंह लल्लू को अध्यक्ष बनवाया था और अब बृजलाल खाबरी को अध्यक्ष बनाया है। यानी कांग्रेस की राजनीति पिछड़ा और दलित वाली रही है। अब कांग्रेस को राज्य में नई राजनीति करनी है तो उसे ऐसे चेहरे की तलाश है, जो अपने दम पर कांग्रेस को खड़ा कर सके। कर्नाटक के बाद कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि मुस्लिम उसको वोट देंगे और मल्लिकार्जुन खडगे की वजह से दलित वोट मिलने की भी उम्मीद है। बसपा प्रमुख मायावती की निष्क्रियता से भी कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि कुछ दलित वोट उसकी ओर शिफ्ट होगा। लेकिन कांग्रेस की मुश्किल यह है कि उसके पास नेता नहीं है। पिछले तीन दशक में कांग्रेस ने नए नेता नहीं खड़े किए। कांग्रेस के पास राज्य में ले–देकर एक मुस्लिम नेता सलमान खुर्शीद हैं। वे भी अपनी चमक काफी पहले खो चुके हैं। पिछले दिनों कांग्रेस ने इमरान प्रतापगढ़ी को राज्यसभा भेजा लेकिन वे कोई जमीनी नेता नहीं हैं और न संगठन के आदमी हैं। वे मंच के लोकप्रिय कवि हैं और किसी बड़े नेता को उनकी शक्ल पसंद आ गई तो वे राज्यसभा चले गए। वे उत्तर प्रदेश तो छोडिघ्ए अपने गृह जिले में भी कांग्रेस के पक्ष में दो–चार वोट भी शिफ्ट कराने की स्थिति में नहीं हैं। तभी सवाल है कि कांग्रेस के पास मुस्लिम वोट में मैसेज देने के लिए कोई बड़ा मुस्लिम नेता नहीं है। इसी तरह राज्य में कांग्रेस के पास कोई बड़ा ब्राह्मण चेहरा भी नहीं है। कमलापति त्रिपाठी के परिवार के ललितेश पति त्रिपाठी तृणमूल कांग्रेस में चले गए। जितिन प्रसाद भाजपा में जाकर मंत्री बन गए। वाराणसी में ले–देकर राजेश मिश्र हैं। दलित नेतृत्व में खाबरी हैं, जो बसपा से आए हैं और पीएल पुनिया हैं, जो पहले अधिकारी थे और मायावती के बड़े करीबी थे। बेनी प्रसाद वर्मा बड़ा पिछड़ा चेहरा थे लेकिन वे भी बसपा से आए थे। उनके बाद कोई उस कद का नेता कांग्रेस के पास बचा नहीं। उन्हीं की जाति के आरपीएन सिंह थे, जिनको कांग्रेस ने आगे बढ़ाया था। अब वे भाजपा में चले गए हैं। आखिरी बड़ा वैश्य चेहरा श्रीप्रकाश जायसवाल थे और वे भी अब कहां हैं, किसी को पता नहीं है। प्रदेश में कोई बड़ा जाट नेता कांग्रेस के पास पहले से नहीं है। सो, किसी भी जाति या समुदाय का देखिए या जाति व समुदाय से निरपेक्ष होकर देखिए तो कांग्रेस के पास नेता नहीं हैं।

विश्वगुरू और मंदिर है फिर भी यूसीसी व महाराष्ट्र!

हरिशंकर व्यास

भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक के चुनाव नतीजों के बाद परेशान थी। उससे पहले वह हिमाचल प्रदेश में हारी थी लेकिन तब गुजरात की जीत ने उस हार को ढक दिया था। कर्नाटक का चुनाव अकेले हुआ था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूरी ताकत लगाने, बजरंग बली के जयकारे और दूसरे सारे उपाय करने के बावजूद भाजपा बुरी तरह हारी। कांग्रेस की बड़ी जीत हुई। उसके बाद विपक्षी पार्टियों के गठबंधन की पहली बैठक पटना में हो गई। तमाम आशंकाओं के बावजूद सारे नेता जुट गए और एकजुट होकर लडने का संकल्प भी लिया। तभी भाजपा की परेशानी बढ़ी और नैरेटिव बदलने के प्रयास शुरू हुए।

नैरेटिव बदलने के कई उपाय हो रहे थे। कई उपाय आगे होने हैं। लेकिन उस बीच अचानक समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठा और उसके बाद महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी तोड़ कर उनके भतीजे अजित पवार को महाराष्ट्र सरकार में उप मुख्यमंत्री बनाया गया।

सवाल है कि जब दूसरे उपाय थे और है तो समान नागरिक संहिता की क्या जरूरत थी? महाराष्ट्र में क्यों एनसीपी को तोडना था? अजीत पवार–प्रफुल्ल पटेल को सिर पर बैठाना था? ध्यान रहे कर्नाटक चुनाव के बाद प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यूगिनी की यात्रा हुई थी और उसको जिस तरह से हाईलाइट किया गया वह नैरेटिव बदलने के प्रयासों का हिस्सा था। उसके बाद प्रधानमंत्री अमेरिका के दौरे पर गए, जिसे उनके विश्वगुरू होने की निशानी के तौर पर प्रचारित किया गया। आगे अगले दो महीने जी 20 देशों की बैठक का हल्ला बना रहना है।

सितंबर में दिल्ली में दुनिया के 20 सबसे शक्तिशाली देशों के नेता जुटेंगे। उनके अलावा भी कई देशों के प्रमुखों को अतिथि के तौर पर बुलाया गया है। उससे भी भारत और प्रधानमंत्री मोदी के विश्वगुरू होने का मैसेज बनवाया जाएगा। अगले साल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अयोध्या में भव्य राममंदिर का उद्घाटन होना है, जिसका उत्सव कई दिन तक चलेगा।

इन सबके बीच भाजपा ने अचानक समान नागरिक संहिता का दांव चला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी वकालत की है तो दूसरी ओर विपक्ष की एक मजबूत पार्टी को तोड़ कर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास हुआ है। सवाल है कि क्या भाजपा को प्रधानमंत्री मोदी के विश्वगुरू वाले एजेंडे पर पूरा भरोसा नहीं है? क्या भाजपा अयोध्या में राममंदिर को चुनाव जिताने वाला एजेंडा नहीं मान रही है? अगर भाजपा को अपने इन दोनों एजेंडों पर भरोसा होता तो यूसीसी का मुद्दा नहीं उठाया जाता और न ही महाराष्ट्र में तोड़–फोड़ की जरूरत नहीं होती।

महाराष्ट्र के मामले में बडा सवाल है कि जब चुनाव आयोग की ओर घोषित असली शिव सेना भाजपा के साथ है तो उसे शरद पवार की पार्टी की क्या जरूरत है? जिस पार्टी को भाजपा नेता नेचुरली करप्ट पार्टी बताते हैं और 70 हजार करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप लगाते हैं उस पार्टी के आरोपी नेताओं को साथ लेने की क्या मजबूरी है? ध्यान रहे राज्य की भाजपा और शिंदे सरकार को 160 के करीब विधायकों का समर्थन है इसके बावजूद पवार के 30–40 और विधायक साथ लाने की क्या जरूरत महसूस हो रही है? जाहिर है कथित असली शिव सेना यानी एकनाथ शिंदे के पार्टी के साथ लेने और शिंदे को मुख्यमंत्री बनवाने के बावजूद भाजपा अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नहीं है। इसलिए उसे लग रहा है कि कांग्रेस, एनसीपी और शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट बड़ी चुनौती है।

इसलिए लोकसभा सदस्यों की संख्या के लिहाज से देश के दूसरे सबसे बड़े राज्य में विपक्ष को कमजोर करना जरूरी है। जाहिर है भाजपा को न अपने सहयोगियों पर भरोसा है और न अपने एजेंडे पर। इसलिए तोड़ फोड़ करके विपक्ष को कमजोर करने और विपक्ष के नेताओं को साथ लाकर अपना समीकरण मजबूत करने का प्रयास हो रहा है। लेकिन बिना यह सोचे कि इससे भाजपा के मजबूत होने की पोल अपने आप खुल रही है। उसकी मजबूरी जाहिर हो रही है। वह ऐसे नेताओं का हाथ पकड रही है, जिनके साथ उसका वैचारिक टकराव था, रहा है और जिनको लेकर नैतिकता के गंभीर सवाल भी हैं।

सरकार–हरण का दशाननी वाम–तंत्र

भारतीय मानस की तासीर दगाबाजों से घृणा करने की है। इसलिए भाजपा के लारे–लप्पों में आ कर या अपने–अपने गिरेबाओं के घनघोर मैलेपन से डर कर जो पवार के कटप्पा बने हैं, उन की सियासी उम्र लोग लंबी नहीं रहने देंगे। आप सोचिए कि अगर किसी दिन अमित भाई शाह अपने निर्माता नरेंद्र भाई मोदी को छोड़ कर चले जाएं तो भारतीय जनमानस में उस की कैसी प्रतिक्रिया होगी? प्रफुल्ल पटेल के पलटूपन ने उसी तरह की वितृष्णा का भाव लोगों के मन में पैदा किया है।

पंकज शर्मा

अगर भारतीय जनता पार्टी को लग रहा है कि शरद पवार को इस हाल में ले आने से उसे राजनीतिक फायदा होगा तो वह मुगालते में है। उसे कुल मिला कर बड़ा नुकसान होगा। खुद एकनाथ शिंदे भीतर से सहम गए होंगे कि उन के बहुत–से हमजोली उद्धव ठाकरे की तरफ देखने लगेंगे। अजित पवार दलबदल कानून से बचने लायक्ध विधायक इकत्रे नहीं कर पाए हैं, इसलिए उन के साथ गए विधायकों में से भी ज्यादातर अभी से पसोपेश में पडने लगे हैं।

यूं भी जैसे शिंदे के जाने के बाद भी शिवसेना का मूल–संगठन उद्धव के ही साथ रहा, उसी तरह अजित के जाने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का बुनियादी ढांचा पवार के ही साथ है। विधानसभाई–अंकगणित में पवार अभी कमजोर जरूर पड़े हैं, मगर सियासी बीजगणित में वे अजित से कई गुना मजबूत हो कर उभरे हैं। अजित और उनके साथ गए लोग भले ही 45 बरस पहले पवार के किए–धरे की कितनी ही याद दिलाएं, महाराष्ट्र तो महाराष्ट्र, बाकी देश में भी पवार को अपनो से ही मिले धोखे को किसी ने पसंद नहीं किया है। भारतीय मानस की तासीर दगाबाजों से घृणा करने की है। इसलिए भाजपा के लारे–लप्पों में आ कर या अपने–अपने गिरेबाओं के घनघोर मैलेपन से डर कर जो पवार के कटप्पा बने हैं, उन की सियासी उम्र लोग लंबी नहीं रहने देंगे।

आप सोचिए कि अगर किसी दिन अमित भाई शाह अपने निर्माता नरेंद्र भाई मोदी को छोड़ कर चले जाएं तो भारतीय जनमानस में उस की कैसी प्रतिक्रिया होगी? प्रफुल्ल पटेल के पलटूपन ने उसी तरह की वितृष्णा का भाव लोगों के मन में पैदा किया है। अजित की नीयत तो पहले भी कई बार सामने आ चुकी थी, सो, उन के जाने से लोगों को उतनी हैरत नहीं हुई, लेकिन प्रफुल्ल के ब्लूटसपन ने सभी को धक्क कर दिया है। इसलिए लिख कर रख लीजिए कि प्रफुल्ल केंद्र में कितने ही बड़े मंत्री बन जाएं, अब वे लोकसभा का चुनाव कभी नहीं जीत पाएंगे।

अजित के साथ गए विधायक भी लोगों के मन से इस कध्दर उतर गए हैं कि वे जिस दिन चुनाव–मैदान में उतरेंगे, लस्तमपस्त पड़े मिलेंगे। यही हाल शिंदे के साथ गए शिवसेना के विधायकों का होगा। अगले साल की विजयादशमी के आसपास जब महाराष्ट्र की विधानसभा के चुनाव होंगे, आप सियासी हताहतों की संख्या देख कर अपनी उंगलियां दांतों तले दबा रहे होंगे। आज अपनी तिकड़मों की सफलता पर इतरा रहे देवेंद्र फडनवीस के घर की मुंडेरों पर अगली दीवाली के कितने दीए सजते हैं दृ देखते रहिए।

यही हाल इस बरस की दीवाली के आसपास होने वाले मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया और उन के साथ कांग्रेस छोड़ कर गए विधायकों का होना है। अभी उन में से कई भले मंत्री बन कर फूले–फूले घूम रहे हैं, मगर आने वाले चुनाव में उन में से ज्यादातर को तो भाजपा खुद्द ही उम्मीदवार नहीं बनाएगी और जिन्हें बनाएगी भी, उन्हें मतदाता ठेंगा दिखा देंगे। सिंधिया के इलाके ग्वालियर–चंबल में होने वाली अपनी बेहद बुरी गत को देख कर भाजपा स्वयं मूर्छित हो जाएगी। अभी उसे यह अंदाज ही नहीं हो पा रहा है कि साम–दाम–दंड–भेद के जरिए सरकार–हरण की उस की करतूतों ने आमजन को उस के खिघ्लाफ कितने गुस्से से भर दिया है।

पक्का मान कर चलिए कि आने वाले दिनों में भाजपा पवार और उद्धव जैसा ही हाल नीतीश कुमार और अरविंद केजरीवाल का करने की कोशिश भी करेगी। नीतीश के 45 में से 36 विधायकों को तोडने की बिसात बिछाना अमित भाई ने पहले दिन से ही शुरू कर दी थी। यह अलग बात है कि फिघ्लवक्ष्त अपनी इस जाजम की सिलवटें वे ठीक से मिटा नहीं पा रहे हैं। लेकिन उन के बहेलिया जाल के फंदे लगातार कसते जा रहे हैं। 2025 की सर्दिया अभी थोड़ी दूर हैं और अगर 2024 के आम चुनाव के समय भाजपा नीतीश के 16 लोकसभा और 5 राज्यसभा सदस्यों की सेंधमारी में थोड़ी भी कघमयाब हो गई तो उस के फौरन बाद वह बिहार की सरकार को गिराने के लिए दिन–रात एक कर देगी।

केजरीवाल का पवारकरण करने से भी भाजपा भला क्यों बाज आएगी? मुझे इस बात की पूरी संभावना लग रही है कि दिल्ली में विधानसभा का अगला चुनाव आने से पहले राष्ट्रीय राजधानी का विधायिका–चरित्र ही पूरी तरह बदल जाएगा। न रहेगी विधानसभा और न रहेगी केजरीवाल की सूरमाई। जाहिर है कि आज आप को यह असंभव लगेगा, लेकिन मेरे इस इल्हाम को याद रखिएगा कि एक दिन पंजाब में भगवंत मान भी 69 विधायकों को ले कर खुदमुख्तारी का ऐलान कर सकते हैं। सरकार में बने रहने के लिए तो उन्हें 59 विधायक ही चाहिए होंगे, लेकिन 69 का साथ पा लेने पर केजरीवाल उन के खिलाफ दलबदल कघनून का सहारा भी नहीं ले पाएंगे। अगर आप इसे चंडूखाने की तरंग समझ रहे हैं तो यह समझ लीजिए कि दशाननी तैयारियों का यह तहखाना तेजी से सज रहा है।

2024 की दहलीज पर पहुंचने के पहले विपक्षी एकता को तार–तार कर देने के लिए नरेंद्र भाई और अमित भाई कुछ भी कर गुजरने को कमर कसे बैठे हैं।

नवीन पटनायक, जगन रेड्डी और चिराग पासवान को तो भूल ही जाइए, के. चंद्रशेखर राव, अखिलेश यादव और सुखबीर बादल तक पर वे अपना जालबट्टा फेंक चुके हैं। श्मोशाश मंडली जानती है कि लालूप्रसाद यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार और नीतीश कुमार उन के झुकाए नहीं झुकेंगे, सो, उन्हें तोडफोड़ देने की कार्रवाइयां शुरू हो गईं। बीच की मुंडेर पर बैठी मायावती के बारे में भाजपा को लग रहा है कि वे कांग्रेस से तालमेल कर लेंगी। इसलिए आने वाले दिनों में उन की पार्टी को भी तितर–बितर करने की बघनखी कोशिशें शुरू हो गई हैं।

अभियोजन से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में अभियोजन से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक सोमवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। इस बैठक में अभियोजन कार्यों के स्पीडी ट्रायल, संबंधित मामलों, सामान्य वाद तथा राजस्व से संबंधित वादों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि यदि किसी मामले में गवाह उपस्थित रहते हैं तो उनकी गवाही उसी दिन कराने का प्रयास किया जाए। बैठक में न्यायालयों में निर्णित व विचाराधीन मुकदमों पॉक्सो से सम्बन्धित मुकदमों की स्थिति की समीक्षा की गई, जितने भी कंटेंप्ट मामले हैं तथा वे राजस्व से जुड़े हुए हैं उन्हें प्राथमिकता पर रखकर उनको डिस्पोज कराये जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि साक्षी का परीक्षण निश्चित तौर पर कराया जाए, उन्होंने कहा कि पुराने वाद जिसमें गंभीर प्रकरण है उसे टारगेट कर निस्तारण कराया जाए, विशेष तौर से पाक्सो के मामलों पर ध्यान दिया जाए। इस संबंध में विधि पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया एवं सभी लंबित वादों के निष्पादन का निर्देश दिया।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी द्वय राम अक्षयबर चौहान, गणेश प्रसाद, उपजिलाधिकारीगण सहित समस्त विधि पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

जय बाबा अमर नाथ बर्फानी सेवा समित श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 101 भक्तों का जत्था रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सावन का महीना आते ही भक्तों का भगवान शिव के धाम जाने का सिलसिला जारी हो जाता है हर वक्त सावन के महीने में भगवान शिव को प्रसन्न करना चाहता है इसी के तहत बाबा बर्फानी सेवा समिति के सेवादारध भक्त अजयवर्मा अजय जी ने बताया कि बाबा अमरनाथ जी की यात्रा पर समिति का पहला जत्था 3 जुनेको रवाना हुआ था। दूसरा जत्था आज रवाना सिटी स्टेशन से रवाना हुआ है। जत्थे का नेतृत्व तीर्थ राज गुप्ता कर रहे है। यात्रा में डा० सी एल० विश्वकर्मा, रुकमणी गुप्ता , तीर्थ राज गुप्ता अन्य महिलाएं ,पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए । स्टेशन पर पहुंचाने वाले लोगो में नगर भाजपा दक्षिणी मंत्री दीपक मिश्रा दीपू, दीपक श्रीवास्तव पत्रकार ,विशाल गुप्ता ,भारत गुप्ता ,देवी गुप्ता संजय गुप्ता ,सुधीर साहू,अशोक बम, संजय ,इत्यादि लोग पहुंच थे।

देशसेवा का जूनुन प्रत्येक देशवासियों में है : भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। निर्धन एवं असहाय बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छ आवासीय की व्यवस्था होने के साथ–साथ अभ्यर्थियों को मुफ्त पाठ्य सामग्री एवं प्रश्नबैंक की व्यवस्था कराना अवध डिफेन्स एकेडमी का उद्देश्य है। अयोध्या डिफेन्स एकडेमी द्वारा देश सेवा के जुनून के साथ–साथ छात्रध छात्राओं को जागरूक करते हुए आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने एकेडमी के शुभारम्भ अवसर पर कहा कि देश सेवा का जूनुन प्रत्येक देशवासियों में है। केन्द्र की मौजूदा सरकार एवं उसके मुखिया द्वारा देशवासियों में देश प्रेम के प्रति अत्यधिक जज्बा पैदा किया जा चुका है जिसके कारण प्रत्येक युवा देश की सेवा के लिए पूरी तरह तत्पर एवं तैयार हैं। रेलवे परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने एकेडमी में प्रवेश हेतु आये हुए छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि आप लोग देश के मजबूत स्तम्भ सेना में भर्ती होकर समाजहित में कार्य करें तथा देश की आन–बान और शान को दुनिया में बढ़ाने का प्रयास करें। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रबन्धक निदेशक सूरज उपाध्याय एवं निदेशक आलोक सिंह तथा जिलेदार उपाध्याय, विकास सिंह बेलसर, अंकित मिश्रा, अभिषेक पाण्डेय, अमर पाण्डेय, मुस्ताक अहमद, नंगूलाल उपाध्याय आदि ने सम्बोधित करते हुए नौजवानों का हौंसला अफजाई किया। शुभारम्भ समारोह में आये हुए गणमान्य अतिथियों का प्रबंध निदेशक सूरज उपाध्याय द्वारा स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

लैंगिक समानता की शक्ति को उजागर करना मुद्दे पर चर्चा व गतिविधियों का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड व एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से माई वर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व माध्यमिक विद्यालय(उच्च प्राथमिक विद्यालय चिनहट कन्या, उच्च प्राथमिक विद्यालय चिनहट बालक , बेसिक विद्यालय गाजीपुर बस्तौली , बेसिक विद्यालय अमराई गांव व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज इंदिरा नगर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज विकास नगर, विद्यालयों में ष्लैंगिक समानता की शक्ति को उजागर करना ष्के मुद्दे पर चर्चा व गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल हेल्थ प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लैंगिक व प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना व विद्यार्थियों के साथ निम्न गतिविधियां कराई गई जो इस प्रकार है विश्व जनसंख्या दिवस पर चर्चा एडोलसेंट काउंसलिंग सेशन

पोस्टर ,स्लोगन राइटिंग व निबंध लेखन जेंडर एंड बॉयलॉजिकल डिफरेंसेज पर चर्चा उपरोक्त मुद्दों पर चर्चा व गतिविधियां पोस्टर मेकिंग निबंध लेखन अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय प्रधानाचार्य के द्वारा सम्मानित किया गया ।समस्त गतिविधियों के दौरान विद्यालय प्रधानाचार्य शशि भूषण मिश्रा, सरोज पंत मीना रावत ,वंदना सिंह , कुसुम वर्मा और किरन सिंह तथा माई वर्थ टीम के सदस्य उपस्थित रहे ।इन गतिविधियों में लगभग 165 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

जनसंख्या समाधान फाउन्डेशन के कार्यकर्ताओं ने जनसंख्या नियंत्रण को लेकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या समाधान फाउन्डेशन के कार्यकर्ताओं ने जिला जौनपुर धरने के पश्चात जिलाधिकारी को जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर 23 सितंबर 2023 को दिल्ली कूच के संबंध में ज्ञापन सौपा जनसंख्या समाधान फाउन्डेशन के कार्यकर्ताओं ने जनसांख्यिकीय असंतुलन के कारण देश में संभावित गृहयुद्ध को रोकने के लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर जिलाधिकारी को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने बताया कि अपने जिले सहित देशभर के जे एस एफ कार्यकर्ता अपने–अपने जिलों से कानून की मांग के समर्थन

में हस्ताक्षरित समर्थन पत्रक लेकर 22 सितंबर 2023 को दिल्ली–गाजियाबाद बॉर्डर स्थित जे एस एफ कैम्प पर एकत्रित होंगे। जहां से 23 सितंबर प्रातः 9 बजे प्रधानमंत्री कार्यालय, दिल्ली की ओर रैली के रूप में कूच किया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री जी को संबोधित ज्ञापन में कहा गया है कि जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की प्रक्रिया प्रारम्भ करने पर सहमति ना बनने की स्थिति में 23 सितंबर से ही अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने का संगठन द्वारा निर्णय लिया गया है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि जनसंख्या समाधान फाउन्डेशन जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर पिछले 9 वर्षों से अधिक समय से संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी के नेतृत्व में देशभर के 23 राज्यों के 400 से अधिक जिलों में अभियान चला रहा है। इस अभियान को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं संगठन के मुख्य संरक्षक इन्द्रेश कुमार एवं केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित 125 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। इस विषय में 9 अगस्त 2018 को भारत के राष्ट्रपति से संगठन एवं सांसदों के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने भेंट करके उन्हें कानून की मांग के समर्थन में 125 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित संगठन का मांग पत्र सौंपकर सरकार द्वारा कानून बनाने की प्रक्रिया आरम्भ करने का अनुरोध किया था। जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामप्रति मिश्रा फलाहारी महराज ने कहा कि देश की बढ़ती आबादी कही न कही से गृह युद्ध की सूचक सिद्ध हो सकता है। जिसे रोकना भारत सरकार का नैतिक जिम्मेदारी है और सरकार के सहयोगी के रूप मे हम सभी देश वासियों की महती भूमिका निभानी होगी अन्यथा यूनान, मिश्र, रोम सहित अन्य देशों की भाती कही हिंदुस्तान का अस्तित्व ही न मिट जाय। इसलिए एक जुट होने की आवश्यकता है।इसी क्रम में वक्ता अजय पाण्डेय जिला अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद ने कहा सरकार को तत्काल भारत में एन आर सी और जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर संविधान में लागू कराए।मुख्य रूप से कार्यक्रम में राकेश श्रीवास्तव, रमेश सिंह, आर्जव पंडित,रमेश श्रीवास्तव, चंद्र प्रकाश तिवारी,अरविंद गुप्ता,आजाद शुक्ला,बालकृष्ण, सुधांशु विश्वकर्मा,कृष्ण कांत साहू,जितेंद्र साहू,शशि साहू,रमेश शर्मा,सतेंद्र शुक्ल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

स्वराज इलेक्ट्रो राइड शोरूम का हुआ उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सरकार की मंशा स्वक्ष पर्यावरण प्रदुषण मुक्त भारत के सपने

को साकार करने की कड़ी में जौनपुर का नाम जुड़ गया है। जिले में स्वराज इलेक्ट्रो राइड शोरूम बैट्री से चलने वाली गाडियो का भव्य उद्घाटन नगर के रूहट्टा उमरपुर में हुआ।इस मौके पर गोयनका कंपनी की तरफ से तनुज गोयनका भी मौजूद रहे।उन्होंने बताया कि मेरी कंपनी आज पर्यावरण को देखते हुए इलेक्ट्रिक गाड़ियों का निर्माण कर रही है। हमारे यहां साइकिल से लेकर थ्री व्हीलर तक नई तकनीक और सस्ते दामों तक में उपलब्ध है। खास तौर पर आकर्षण का केंद्र स्कूटी ,टू व्हीलर ,व बड़ी बाइक आज के युवाओं लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है ।यही नहीं अच्छे नागरिकों को फाइनेंस की सुविधा भी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

शोरूम का उद्घाटन अधिष्ठाता के माता– पिता समाजसेवी शन्नो देवी व संतोष जायसवाल ने किया ।उन्होंने बताया कि उनके पुत्र स्वराज जयसवाल इस शोरूम की देखभाल करेंगे। इस मौके पर प्रोपराइटर स्वराज जायसवाल ने बताया कि जिले में यह पहला शोरूम है जहां गोयनका जैसी बड़ी कंपनी की गाड़ियां इलेक्ट्रिकध बैटरी में उपलब्ध करा रही है।स्वच्छ पर्यावरण के लिए सरकार लगातार इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों के उपयोग करने का आह्वान कर रही है ।ऐसे में हम लोग लोगों को जागरूक करने के साथ–साथ अच्छी से अच्छी इलेक्ट्रॉनिक गाड़ी उपलब्ध कराने में जुड़े हैं शोरूम में इस समय घ60 हजार से लेकर घ2 लाख तक की बाइक, व स्कूटी में मौजूद है, साथ ही नगर को हरा भरा रखने के लिए एवं पेट्रोल व डीजल से छुटकारा पाने के लिए ई–रिक्शा, सामान ढोने के लिए लोडर एवं ई–साइकिल उपलब्ध है,साथ ही सभी गाड़ियों के लिए सर्विस सेंटर भी जौनपुर में उपलब्ध है। सउद्घाटन समारोह में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन ,शिवेंद्र सिंह ,राजीव श्रीवास्तव, अनिल शुक्ला ऋषभ रंजन, दीपक श्रीवास्तव पत्रकार दिलीप शुक्ला, अरविंद शाह, बबिता शाह हर्षित रंजन ,ऋषि श्रीवास्तव, दिवाकर पाठक, सोमेश्वर केसरवानी, विनोद अग्रहरि, विक्रम गुप्ता, अजय जयसवाल राजकुमार जयसवाल, कंपनी के एरिया मैनेजर गौरव पांडे सहित जनपद के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाला प्रीतम साहिब श्री गुरु हरिक्रिशन साहिब जी महाराज का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाला प्रीतम साहिब श्री गुरु हरिक्रिशन साहिब जी महाराज का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) दिनाँक 11.07.2023 दिन मंगलवार का ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक

देव जी नाका हिंडोला, लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाम का विशेष दीवान 6.15 बजे श्री रहिरास साहिब के पाठ से आरम्भ हुआ जो रात्रि 09.30 बजे तक चला। जिसमें रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी ने अपनी मधुरवाणी में शबद कीर्तन गायन एवं नाम सिमरन करवाया। ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने साहिब श्री गुरु हरिक्रिशन साहिब जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि साहिब श्री गुरु हरिक्रिशन साहिब जी महाराज का जन्म आज ही के दिन कीरतपुर में हुआ था। आपके पिता जी का नाम श्री हरिराय जी व माता जी का नाम कृष्ण कौर जी था। श्री गुरु हरिराय ने अपने बड़े बेटे को गद्दी न देकर अपने छोटे बेटे श्री हरिक्रिशन जी में प्रभु भक्ति एवं गुणों को देखकर उन्हें ही गद्दी पर आसीन किया। आप सभी दस गुरुओं के सबसे छोटी उम्र में गुरु गद्दी पर आसीन हुए। इसी लिए आप को ''बाला प्रीतम'' के नाम से भी जाना जाता है।एक बार जिला अम्बाला के पंजखोरे गांव में एक पंडित कृष्ण लाल ने छोटे से बालक को गुरु मानने से इन्कार करते हुए कहा कि यदि गुरु जी गीता के श्लोकों का अर्थ वधकरके दिखायें तो मै इन्हें गुरु मान लूँगा। गुरु जी ने कहा आप किसी को ले आएं श्री गुरु नानक की कृपा दृष्टि की तसल्ली मै करवा दूँगा। पंडित एक महा मूर्ख को ले आया। गुरु जी की कृपा से वह मूर्ख एक विद्वान की तरह गीता के श्लोकों का अर्थ सुनाने लगा इससे गुरु जी की महिमा पहले से भी ज्यादा फैल गयीं। गुरु जी दिल्ली में ही थे कि चेचक की बीमारी सारे इलाके मे फैल गयी। गुरु जी ने गरीबों, दुखियों की सहायता करनी शुरु कर दी। एक दिन गुरु जी को तेज बुखार हुआ। आपके शरीर पर चेचक के लक्षण दिखाई देने लगे। अपना जाने का समय नजदीक जान कर साध संगत को आदेश दिया कि ''बाबा बकाला'' जिसका भाव था कि हमारे बाद गुरु गद्दी की जिम्मेदारी संभालने वाला महापुरुष गांव बकाले (अमृतसर) में है। यह कह कर आठ वर्ष की आयु में आप गुरुपुरी सिधार गये जिस स्थान पर आपका अन्तिम संस्कार हुआ वहाँ अब गुरुद्वारा बाला साहिब है। विशेष रुप से पधारे रागी जत्था भाई रनधीर सिंह जी हजूरी रागी गुरुद्वारा यहिया गंज वालों ने शबद कीर्तन "श्री हरिक्रिशन धियाइऐ जिस डिठ्ठे सब दुख जाय।।" गायन कर समूह साध संगत को निहाल किया। दीवान की समाप्ति के पश्चात लखनऊ गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिंडोला, लखनऊ के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने आई साध संगत को साहिब श्री गुरु हरिक्रिशन साहिब जी महाराज के प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) की बधाई दी कार्यक्रम का संचालन स0 सतपाल सिंह ''मीत'' जी ने किया समाप्ति के उपरान्त हरमिन्दर सिंह टीटू की देखरेख में गुरु का लंगर श्रधालुओं में दशमेश सेवा सोसाइटी के सदस्यों द्वारा वितरित किया गया।

25 प्लेट समोसा 1 लाख 40 हजार रुपए में, केइएम अस्पताल के डॉक्टर को ऑनलाइन समोसा मंगाना पड़ा बहुत महंगा'

मुंबई में एक डॉक्टर को ऑनलाइन समोसा ऑर्डर करना महंगा पड़ गया. 25 प्लेट समोसे के चक्कर में उन्होंने 1.40 लाख रुपये गंवा दिए. मामला सायन इलाके का है. KEM हॉस्पिटल में काम करने वाले 27 साल के डॉक्टर ने इस मामले में भोईवाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है. पीड़ित डॉक्टर के मुताबिक, उन्होंने शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे ऑनलाइन समोसे ऑर्डर किए थे. लेकिन उन्हें नहीं पता था कि 25 प्लेट समोसों के चक्कर में वह 1.40 लाख रुपये गंवा देंगे. डॉक्टर ने बताया कि शनिवार के दिन वो अपने दोस्तों के साथ कर्जत जाने वाले थे. उनका पिकनिक का प्लान था. इसलिए उन्होंने सोचा कि सफर के दौरान कुछ खाने के लिए ले चलते हैं. डॉक्टर ने फिर गुरुकृपा रेस्टोरेंट पर फोन करने उन्हें 25 प्लेट समोसे का ऑर्डर दिया. फोन पर उन्हें 1500 रुपये पेमेंट करने के लिए कहा गया. डॉक्टर ने बताए गए नंबर पर 1500 रुपये भेज दिये. तभी उन्हें दोबारा से कॉल आया कि आपकी पेमेंट हमें नहीं मिली है. इसलिए आप दूसरे नंबर पर हमारी पेमेंट रिक्वेस्ट स्वीकार करें. फिर वहीं पर पेमेंट करें. डॉक्टर को फिर उन्होंने पेमेंट रिक्वेस्ट का लिंक भेजा. जैसे ही डॉक्टर ने उस पर पेमेंट की तो उनके अकाउंट से अचानक 28 हजार रुपये कट गए. यह देखते ही डॉक्टर हैरान रह गए क्योंकि उन्होंने तो 1500 की पेमेंट की थी. फिर उन्हें दो तीन मैसेज और आए. जिससे उन्हें पता चला कि उनके अकाउंट से और भी पैसे कट गए हैं. डॉक्टर ने तुरंत अपना बैंक अकाउंट ब्लॉक करवाया. लेकिन तब तक ठग उनके अकाउंट से 1.40 लाख रुपये उड़ा चुके थे।

शिव पुराण का श्रवण करने मात्र से मनुष्यों के कई जन्मों के पाप कट जाते हैं : आचार्य रजनी कांत द्विवेदी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । नगर के शाही पुल स्थित गोपी घाट पर गोमतेश्वर महादेव के धाम में नव दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है विदित हो कि रविवार साय काल नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या व मंत्री गिरीश चंद यादव ने भी शिव महापुराण कथा कार्यक्रम में गोमतेश्वर महादेव के धाम में उपस्थित रहें। कथा व्यास आचार्य डॉ. रजनी कांत द्विवेदी महाराज द्वारा नव दिवसीय शिव महापुराण हो रहा है।इस अवसर कथा का श्रवण करने पहुचे मंत्री गिरीश चंद यादव को आचार्य जी के साथ वैभव गुप्ता और हर्षित गुप्ता द्वारा स्मृति चिन्ह भेट किया गया।विदित हो कि शिव महापुराण कथा का आयोजन कार्यक्रम 03 जुलाई से प्रारंभ हुआ जिसमें 03 जुलाई सोमवार साय काल 05 बजे से कलश यात्रा निकालकर नगर भ्रमण कराया गया। 04 जुलाई को वेदी पूजन प्रातः 08 बजे से 10 बजे तक प्रतिदिन हो रहा हैं वहीं साय काल 05 बजे से शिव महापुराण कथा किया जा रहा हैं जिसमें बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होकर इस शिवपुराण में भागीदार हो रहे हैं और कथा का आनंद उठा रहे हैं। भगवान शिव के विभिन्न कथाओं का विस्तृत वर्णन आचार्य रजनी कांत द्विवेदी जी द्वारा किया जा रहा है भगवान शिव के विभिन्न रूपों और उनकी महिमा का बखान सुन श्रोता ओतप्रोत हो रहे हैं रजनी कांत द्विवेदी ने भगवान शिव की महिमा का वर्णन

करते हुए कहा कि जिसने शिव पुराण का श्रवण करने मात्र से मनुष्यों के कई जन्मों के पाप कट जाते हैं भगवान शिव एक ऐसे भगवान है जो भक्तों के थोड़े से पूजा से ही खुश हो जाते हैं और उसे मनचाहा वरदान भी देते हैं भगवान शिव की महिमा का वर्णन करना स्वयं भगवान ही नहीं कर सकते हैं तो इस कलयुग में हम क्या उनकी महिमा का क्या वर्णन कर सकते हैं। श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है।समापन 11 जुलाई को प्रातः 09 बजे से हवन पूजन के साथ होगा और साय काल 06 बजे से भजन एवं भंडारे का आयोजन होगा। इसके संरक्षण मंडल हीरालाल मोदनवाल, शशांक सिंह "रानू", गुलाब चंद्र सेठ, अनिल कुमार गुप्ता बोलबम, संजीव चौरसिया पत्रकार, डॉ. अंजना सिंह प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी, कार्यक्रम संयोजक वैभव कसौंधन, राजेन्द्र सिंह सूरज, विनोथ मिश्रा हर्ष साउंड, शुभम मोदनवाल, कलश यात्रा प्रभारी सोनी कश्यप, ज्योति कसौंधन, कार्यक्रम प्रभारी पल्लवी सिंह, अनीता विश्वकर्मा, प्रियंका भारती, पूजा विश्वकर्मा, धीरज सेठ, रवि सेठ, सोनू सेठ, विकास सेठ, आकाश सोनी, शिवा चौधरी,दीपक श्रीवास्तव पत्रकार मुख्य पूजारी संतोष कुमार गुप्ता गोमतेश्वर महादेव धाम के साथ मंच संचालक हर्षित गुप्ता आदि लोग भारी संख्या में उपस्थित रहें।

भाजपा नेत्री माया सिंह बनीं मिशन मोदी अगेन पीएम की अवध प्रांत अध्यक्ष

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डेमोक्रेसी डेवलपमेंट ट्रस्ट के संयोजन में मिशन मोदी अगेन पीएम संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम बौद्ध शोध संस्थान गोमती नगर में सम्पन्न हुआ। समारोह के दौरान भाजपा नेत्री माया सिंह को मिशन मोदी अगेन पीएम की अवध प्रांत अध्यक्ष मनोनीत किया गया। अवध प्रांत महिला मोर्चा अध्यक्ष बनने पर लोगों ने बधाई दी है।

इस अवसर पर राम गोपाल काका राष्ट्रीय अध्यक्ष,राकेश कुमार गुप्ता साई, राष्ट्रीय मंत्री, कमलेश गुप्ता, राष्ट्रीय जन संपर्क प्रमुख, रमेश सिंह चौहान प्रदेश महामंत्री, अरविंद कुमार त्रिपाठी प्रदेश प्रवक्ता,आशुतोष प्रवीण अवस्थी, प्रांत उपाध्यक्ष, हरी प्रसाद तिवारी प्रांत महामंत्री,सत्यपाल सिंह महामंत्री महानगर , पुनीता भटनागर जिला अध्यक्षा महिला मोर्चा दीप माला महामंत्री महानगर महिला मोर्चा, नीरज सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

एसआर ग्रुप में आज विश्व कागज दिवस मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बख्शी तालाब स्थित एस आर ग्रुप में आज विश्व कागज दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के वाइस चेयरमैन श्री पीयूष सिंह चौहान उपस्थित थे जिसमें विश्व कागज दिवस मनाए जाने का कारण पर्यावरण को पॉलिथीन से सुरक्षित रखना है ।

क्योंकि पॉलिथीन 300 सालों में विघटित होती है और पर्यावरण को कई विषैले तत्वों से नुकसान करती है इसीलिए कागज के बैग का उपयोग बताएं।इसलिए इनका प्रयोग किए जाने पर जोर दिया गया। इस प्रतियोगिता में कंप्यूटर साइंस और इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी ब्रांच के 50 छात्रों ने प्रतिभा किया । प्रतिभाग करने पर उन्होंने कागज द्वारा बनाए गए अलग–अलग तरह की बैग या थैली बनाए।

जिनमें से प्रथम पुरस्कार पाने वाली खुशी पाल, द्वितीय पुरस्कार विजेता इरफान अब्बास , तथा तृतीय पुरस्कार विजेता सौरव कुमार रहे । उनके विजय के उपरांत संस्थान के वाइस चेयरपर्सन पीयूष सिंह चौहान ने उनको इस प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से देकर सम्मानित किया।

मोदी सरकार जाति–धर्म के आधार पर लोगों से भेदभाव नहीं करती : अमित गुप्ता

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)भारतीय जनता पार्टी के एक माह से चल रहे महा जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत लोकसभा एवं विधानसभा स्तरीय तमाम अभियानों के साथ ही पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि गण डोर टू डोर जनसंपर्क कर रहे हैं। इसके साथ ही वरिष्ठ पदाधिकारी विधायक सांसद प्रत्येक लोकसभा के 1000 प्रभावशाली लोगों जैसे डॉक्टर इंजीनियर प्रमुख व्यवसाई शिक्षाविद प्रमुख अधिवक्ता विभिन्न क्षेत्रों के राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पुरस्कार ग्राही लेखक आदि से संपर्क फॉर समर्थन के अंतर्गत मिलकर पार्टी के लिए समर्थन की अपील करते हैं। इसी संबंध में नगर पालिका सभागार में हरदोई एवं मिश्रिख लोकसभा के दसों विधानसभाओं की बैठक संपन्न हुई इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में अवध क्षेत्र के उपाध्यक्ष अमित गुप्ता मौजूद रहे। मुख्य अतिथि अमित गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार जाति–धर्म के आधार पर लोगों से भेदभाव नहीं करती।बताया पार्टी नेतृत्व की अपेक्षा है कि उक्त अभियानों की गति में तेजी लाकर लोकसभा के प्रत्येक बूथों पर गहन जनसंपर्क किया जाए जिसके लिए पार्टी ने पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों विधायकों सांसदों ब्लॉक प्रमुखों नगर पालिका एवं नगर पंचायत के अध्यक्षों जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य सभी को एक लक्ष्य निर्धारित किया है अतः सभी दायित्व धारी कार्यकर्ता गण दिए गए लक्ष्य के अनुसार तय समय में गहन जन संपर्क करें एवं पार्टी के नंबर 9090902024 पर मिस कॉल करा कर पूरा डाटा सरल ऐप पर अपलोड करें। जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर जन जन तक 9 वर्ष की उपलब्धियां एवं गरीब कल्याण की योजनाएं पहुंचा रहे हैं। आज के विपक्ष के पास मोदी को गाली देने, देश विरोधी बातें करने के सिवाय कोई मुद्दा नहीं है तथा मोदी द्वारा भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति से घबराकर एकजुट होने का प्रयास कर रहे हैं भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन देश की जनता के साथ है 2014, 2019 में जैसे मोदी के पक्ष में अंडरकरेंट था आज वह मोदी के पक्ष में कई गुना बढ़ चुका है कार्यकर्ता होने के नाते हमारा दायित्व पार्टी के कार्य को जन–जन तक पहुंचाना है मोदी के सामने विपक्ष के पास कोई चेहरा नहीं है देश की जनता ने मोदी को 2019 से भी ज्यादा सीटें देकर हैट्रिक बनाने का तय कर लिया है। संचालन अजीत सिंह बब्बन एवं राजेश अग्निहोत्री ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती कॉपरेटिव बैंक अध्यक्ष अशोक सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव रंजन मिश्र श्रीकृष्ण शास्त्री राम बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री संदीप सिंह एसपी मौर्य प्रीतेश दीक्षित संजय सिंह श्रवण कनौजिया महामंत्री अजीत सिंह बब्बन ओम वर्मा अनुराग मिश्र सत्येंद्र राजपूत जिलामंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला राम नंदिनी मंगतराम नीतू चंद्रा जय देवी राजपूत मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक कार्यालय मंत्री अतुल सिंह आईटी संयोजक सौरभ सिंह सोशल मीडिया संयोजक प्रद्युम्न मिश्रा डीसीडीएफ चेयरमैन रामदास गुप्ता सभी मोर्चों के अध्यक्ष ब्लाक प्रमुखगण नगर पालिका नगर पंचायत के अध्यक्ष मौजूद रहे।

भारती फाउंडेशन ने अपने शैक्षणिक प्रोगामों द्वारा 20 लाख से अधिक बच्चों के जीवन को प्रभावित किया

– सत्य भारती स्कूल प्रोग्राम, सत्य भारती क्ध्वालिटी सपोर्ट प्रोग्राम और लार्ज स्केल ईनीशिएटिव के द्वारा पिछले शैक्षणिक वर्ष में 20 लाख से अधिक बच्चों तक पहुंचा गया है।

– हमारे प्रोग्राम सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के जीवन कौशलों को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ सुमेलित पहलों को क्रियान्वित करने में राज्य शिक्षा विभागों के साथ सहभागिता करते हैं।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारती फाउंडेशन, भारती एंटरप्राइजेज की लोकोपकारी संस्था, यह गर्व से घोषित करती है कि अपने शैक्षणिक प्रोगामों द्वारा ज्यादातर ग्रामीण भारत के 20 लाख से अधिक अल्प–सुविधाप्राप्त बच्चों के जीवन को सार्थक रूप से प्रभावित किया । फाउंडेशन बच्चों की उत्कृष्ट शिक्षा और समग्र विकास के अवसर उपलब्ध कराने के लिए गहन रूप से कार्य कर रहा है। भारती फाउंडेशन का प्राथमिक उद्देश्य बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के साथ उन्हें सकारात्मकता और सद्भावना के नैतिक मूल्यों का समावेश कराती है। यह अपने प्रमुख कार्यक्रम, सत्य भारती स्कूल, और सरकार के साथ सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट प्रोग्राम और लार्ज स्केल इनिशिएटिव के माध्यम से सरकार के साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर रहा है। ये विलक्षण प्रोग्राम स्कूलों को जीवंत शिक्षण स्थानों में बदल देते हैं, जिससे बच्चों को शैक्षणिक, पाठ्येतर गतिविधियों और जीवन कौशल में समग्र रूप से विकसित होने में सक्षम बनाया जाता है। इस उपलब्धि पर चर्चा करते हुए, भारती फाउंडेशन की चीफ एक्ज्जीक्यूटिव ऑफिसर, सुश्री ममता सैकिया ने कहा, "भारती फाउंडेशन में, हम शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण भारत में बच्चों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस गौरवमयी क्षण में, मैं अपने हितधारकों और समुदाय के सदस्यों का धन्ध्यवाद करना चाहूंगी जिन्होंने बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्रदान करने में हमारी मदद और समर्थन किया है। हम उनके हार्दिक आभारी हैं और हम साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे एवं शिक्षा में नवोन्मेष व सर्वांगी परिवर्तन लाएंगे। हाल ही में, भारती फाउंडेशन ने नए कौशल सीखने, प्रणबद्ध होने और अन्ध्वेषण करने हेतु एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, TheTeacherApp को सफलतापूर्वक शुरू किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य सहयोग, नवोन्ध्मेष और स्कूल के समग्र कायापलट को बढ़ावा देने के साथ व्यावहारिक संसाधनों, NEP–प्रेरित विचारों और स्कूलों की सर्वोत्तम कार्यपद्धतियों के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने में सहयोग प्रदान करना है।

भारती फाउंडेशन का संक्षिप्त परिचय

वर्ष 2000 में भारती एंटरप्राइजिस की लोकोपकारी संस्था के रूप में भारती फाउंडेशन की स्थापना की गई थी। यह प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में कार्यक्रमों का क्रियान्वयन और सहायता करती है। 2006 से, सर्वोत्ध्कृष्ट सत्य भारती स्कूल प्रोग्राम लड़कियों पर फोकस के साथ पांच राज्यों में सर्वत्र ग्रामीण भारत में 173 स्कूलों में हजारों अल्प–सुविधाप्राप्त बच्चों को मुफ्त उत्ध्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। 2013 से सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट प्रोग्राम के माध्यम से 11 राज्यों्ध्केंद्र–शासित प्रदेशों में सर्वत्र 808 साझेदार सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 3 लाख से अधिक छात्रों के लिए इस प्रोग्राम के अधिगम और अच्छी पद्धतियों का अंतरण करके उत्ध्कृष्ट शिक्षा के प्रभाव को व्यापक बनाया गया है। फैच के अंतर्गत अधिकांश प्रक्रियाएं व्यावहारिक पाई गई हैं। भारती फाउंडेशन को जिला और राज्य स्तर पर कई शिक्षा अधिकारियों द्वारा सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट प्रोग्राम – एट स्केल के माध्यम से कुछ पहलकदमियों को बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया था। सत्य भारती अभियान, जो 2014 में शुरूआत से 2021 तक चलाई गई स्ध्वच्छता संबंधी पहलकदमी थी, शौचालय तक पहुंच उपलब्ध कराकर और समुदायों में स्ध्वभावजन्ध्य बदलावों को बढ़ावा देकर पंजाब के जिलों में स्वच्छता परिस्थितियों में सुधार ला रही है, जिससे 2,19,872 लाभार्थियों को लाभ हुआ है। इस वर्ष फाउंडेशन अपने शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से 20 लाख से अधिक बच्चों को सार्थक विधि से प्रभावित किया है।

बिजली कटौती से उपभोक्ताओं में रोष एवं धान की रोपाई हो रही बाधित

संवाददाता

फतेहपुर। क्षेत्र के विकासखंड विजयीपुर के अंतर्गत आने वाले खखरेरु कनपुरवा पावर हाउस में लगातार विद्युत कटौती से उपभोक्ताओं में काफी रोष है व किसानों की धान की रोपाई भी बाधित हो रही है जब कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा किया जा रहा है लेकिन यह दावा खखरेरु क्षेत्र में फेल नजर आ रहा है खखरेरु कनपुरवा पावर हाउस में 24 घंटे में मात्र 5 घंटे ही बिजली आपूर्ति की जाती है जब कि खखरेरु कनपुरवा हाउस में 4 फीडर चल रहे हैं जिसमें विश्व बैंक, धाता , ऐरायां, कोट एवं नगर पंचायत खखरेरू भी स्थापित हैं उपभोक्ताओं ने बताया कि खखरेरु कंनपुरवा पावर हाउस में लगभग 30ध35 वर्ष पूर्व पुरानी तारे होने के कारण कहीं न कहीं तारों का टूटना बना रहता है जिससे बिजली आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो जाती है। दूसरी ओर विद्युत विभाग द्वारा समय–समय पर अवगत कराया जाता है कि खागा से बिजली रोसिंटग पर है इसलिए आपूर्ति नहीं की जा सकती है सप्लाई आने के बाद बिजली आपूर्ति की जाएगी वहीं क्षेत्रीय किसानों का कहना है की समय से बिजली भी नहीं मिल रही है व नहर मे परयाप्त पानी न आने के कारण धान की रोपाई भी बाधित हो रही है क्योंकि धान की नर्सरी तैयार होने के वक्त शासन प्रशासन द्वारा जरौली पंप कैनाल से नहरो में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ा गया व बिजली आपूर्ति भी समय पर नहीं दी जा रही है एक तरफ सरकार किसानों की आय दुगनी करने का दावा कर रही है वही क्षेत्रीय किसानों को मंहगे दाम में नर्सरी करने के बावजूद समय से रोपाई नहीं हो पा रही है।

गाय को बचाने के प्रयास में आगे चल रहे बोलेरो चालक बोलेरो एक दूसरे से टकराई, सात लोग गंभीर रूप से घायल

– वाराणसी से मध्य प्रदेश के सीधी जिला जा रहे थे दोनों वाहन ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के महेशपुर गांव में हुआ हादसा

संवाददाता

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित महेशपुर गांव में रविवार की रात 11 बजे के करीब वाराणसी से मध्य प्रदेश के सीधी जिला जा रहे दो बोलेरो वाहन सड़क पर अचानक आई गाय को बचाने के चक्कर में एक दूसरे से पीछे से टकरा गये दोनों बोलेरो में चालक सहित कुल 11 लोग सवार थे दुर्घटना में चार महिलाओं सहित कुल सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी लालगंज भिजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी घायलों को मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। मध्य प्रदेश के सीधी जिला के मझौली थाना क्षेत्र के मुठेलिया गांव निवासी बोलेरो चालक रामसिलोचन गुप्ता व सिरौला गांव निवासी कृष्ण कांत गुप्ता अलग अलग बोलेरो से मरीजों को लेकर वाराणसी के एक निजी अस्पताल में इलाज कराने के लिए ले गए थे। जहां देर रात घर वापस लौटते समय महेशपुर गांव में गाय को बचाने के चक्कर में आगे चल रही बोलेरो ने अचानक ब्रेक लगा दिया जिससे पीछे से तेज गति से आ रही बोलेरो एक दूसरे से टकरा गई हादसे में बोलेरो में सवार 40 वर्षीय राजबहादुर कुशवाहा निवासी कपरोला थाना मझौली जिला सीधी 38 वर्षीया रामरती कुशवाहा व उनके पति 40 वर्षीय राधिका प्रसाद कुशवाहा निवासी जुनेर थाना मझौली जिला सीधी 35 वर्षीय अजय यादव निवासी बघैला जिला सीधी 37 वर्षीया शकुन्तला यादव पत्नी राम लखन यादव, 42 वर्षीया पार्वती यादव पत्नी राम जनम यादव व 48 वर्षीया रामवती यादव पत्नी ललई प्रसाद निवासी बिजवार थाना मझौली जिला सीधी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज वीरेंद्र सिंह एस आई अवधेश कुमार सिंह हेड कांस्टेबल संतोष पटेल, राजीव कुमार ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी लालगंज भिजवाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार हेतु मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। वहीं हादसे में दोनों बोलेरो चालक को हल्की फुल्की चोटें आई हैं। घायल राजबहादुर कुशवाहा ने बताया कि दो बोलेरो वाहन से मरीज शकुन्तला यादव राधिका प्रसाद और रामवती का उपचार कराने वाराणसी गये थे देर रात घर वापस लौटते समय गाय को बचाने में दोनों बोलेरो आपस में टकरा गई सभी का उपचार मीरजापुर मंडलीय चिकित्सालय में किया जा रहा है।

ठेका सफाई कर्मियों के हड़ताल से नगर में सफाई कार्य रहा बाधित

संवाददाता

अहरौरा मीरजापुर। नगर में 12 बजे तक ठेका सफाई कर्मियों द्वारा कूड़ा न उठाए जाने के कारण सफाई व्यवस्था बाधित रही है। जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद अहरौरा के ठेका सफाई कर्मियों को विगत माह तक मासिक वेतन के रूप में 28 दिन का भुगतान पालिका द्वारा होता रहा, लेकिन अधिशासी अधिकारी रामदुलार यादव एवं एवं सफाई विभाग देख रहे विक्की ने सभी ठेका कर्मियों को बुलाकर सूचना दी कि शासन द्वारा जिओ आया है तो ठेका सफाई कर्मियों ने मांग किया कि जो हम 30 दिन तक काम कर रहे थे अब हम नहीं करेंगे।

रोटरी क्लब मीरजापुर के अध्यक्ष के रूप में रो.आयुष कुमार सर्राफ ने क्लब के अध्यक्ष के रूप में पद भार किया ग्रहण

संवाददाता

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। समाज में सेवा कार्यों के प्रति समर्पित नगर के सबसे पुराने रोटरी क्लब मीरजापुर का 63 वां पद ग्रहण समारोह लालडिग्गी स्थित एक विद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब मीरजापुर के अध्यक्ष के रूप में रो.आयुष कुमार सर्राफ ने क्लब के अध्यक्ष के रूप में पद भार ग्रहण किया द्य रो. आयुष कुमार सर्राफ के साथ उनके कार्यकारिणी के 21 सदस्यों ने विभिन्न पदों पे पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि पीडीजी रो डॉ. प्रमोद कुमार, सह मंडलाध्यक्ष रो आशीष मेहरोत्रा, नए अध्यक्ष रो आयुष कुमार सर्राफ, सचिव रो गोकुल अग्रवाल ने गणेश एवं मां विंध्यवासिनी के चित्र पर मालयर्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सभा की शुरुआत, गायत्री मंत्र ,राष्ट्र गान एवं गणेश वंदना पर आधारित नृत्य से की गयी। एन स्तुति अग्रवाल, एन अनुपमा गुप्ता, एन शालिनी बरनवाल, एन रश्मि अग्रवाल, एन प्रीती सर्राफ ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीडीजी रो. डॉ. प्रमोद कुमार के समक्ष पूर्व अध्यक्ष रो. पुष्पेंद्र गुप्ता ने नए अध्यक्ष रो. आयुष कुमार सर्राफ को कालर पहनाकर अध्यक्ष के पद का अधिष्ठापन कराया. इसी तरह क्लब के पूर्व सचिव रो. मकरंद जायसवाल ने नए सचिव रो. गोकुल अग्रवाल को कालर पहनकार उन्हें नए सचिव के रूप में अधिष्ठापित किया। उसके बाद मुख्य अतिथि ने कार्यकारिणी के बाकी सभी सदस्यों को पिन प्रदान कर उन्हें पदभार ग्रहण कराया। अधिष्ठापन में एन प्रीति सर्राफ एवं एन रश्मि अग्रवाल द्वारा कार्यकारिणी सदस्यों की एन को वर्ष पर्यन्त सहयोग प्रदान करने के लिए पिन प्रदान की गयी। मुख्य अतिथि पी.डी.जी प्रमोद कुमार ने सभी रोटेरियंस को नए प्रोजेक्ट्स करने के लिए प्रोत्साहित किया। सह मंडलाध्यक्ष आशीष मेहरोत्रा ने सभी से रोटरी फाउंडेशन में सहयोग करने की अपील की कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नए अध्यक्ष आयुष कुमार सर्राफ ने कहा की आशा जीवन का आधार है। रोटरी क्लब मीरजापुर,अपने सेवा कार्यों के साथ लोगों के जीवन में आशा का किरण बनने का कार्य करेगी। सभी सदस्यों को नए रोटरी वर्ष के थीम "क्रिएट द होप इन द वर्ल्ड" पर आधारित प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। एडिटर क्लब बुलेटिन यश सिंघानिया ने साप्ताहिक डिजिटल वीडियो बुलेटिन "यथार्थ" का विमोचन किया जिसके माध्यम से क्लब के सदस्यों को क्लब के क्रिया कलापों की सुचना उपलब्ध होती रहेगी। सितम्बर माह में आयोजित होने वाली इंटरसिटी 3.0 का विमोचन शिशिर अग्रवाल द्वारा किया गया। टैलेंट हाउस डांस क्रू के निदेशक शिवम् गुप्ता, मोनू गुप्ता एवं शिवम् गुप्ता के निर्देशन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं सह मंडलाध्यक्ष को स्मृति चिन्ह प्रेषित किया गया। नए सचिव गोकुल अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर श्याम बिहारी खंडेलवाल, देवांश सिंघानिया, जगमीत सिंह, अविनाश जायसवाल, सीपी गुप्ता, अमित बरनवाल, शशांक शिकार चतुर्वेदी, हेमंत सिंघानिया, नंदिनी मिश्रा, डॉ स्नेह लता द्विवेदी, शुभा खंडेलवाल, ममता अग्रवाल, सुमन बुधिआ ओमप्रकाश मौर्या आदि लोग उपस्थित थे।

पाली में नवागत ईओ ने किया पदभार ग्रहण'

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' नगर पंचायत के नवागत अधिशासी अधिकारी जय प्रकाश ने सोमवार को कार्यालय पहुंच कर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया साथ ही नगर पंचायत क्षेत्र की भौगोलिक वस्तुस्थिति को जाना। पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवागत ईओ ने नगर पंचायत अध्यक्ष,सभासद सहित नगर पंचायत कर्मियों से मुलाकात कर परिचय प्राप्त किये। ईओ के पद पर तैनात प्रकाश चंद्र गोपालन को उनके मूल विभाग में वापसी के बाद नगर पंचायत सांडी में तैनात ईओ जयप्रकाश सिंह को पाली नगर पंचायत का प्रभार सौंपा गया है।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने पुलिस अधीक्षक को किया पुष्प गुच्छ भेंट

उमाकान्त लाला ब्यूरो चीफ

शाहजहांपुर । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के एक प्रतिनिधि मंडल संघ के प्रांतीय महामंत्री संजय सिंह के नेतृत्व में नवागत पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा से शिष्टाचार भेंट कर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया । स्वागत करने बालों में जिलामंत्री देवेश बाजपेई , जिला कोषाध्यक्ष रवींद्र पाल प्रजापति , जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार तिवारी , ब्लॉक अध्यक्ष सिंधौली नवेंदु मिश्र एवं अरविंद त्रिपाठी शामिल रहे। उसके उपरांत प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने नवागत वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक विभा यादव का भी पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। लेखाधिकारी श्रीमती यादव ने संगठन को आश्वस्त किया कि शिक्षकों की सभी समस्याओं को शत प्रतिशत समाधान मेरी प्राथमिकता में रहेगा । लेखाधिकारी का स्वागत करने वालों में जिलामंत्री देवेश बाजपेई , जिला कोषाध्यक्ष रवींद्र पाल प्रजापति , जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार तिवारी , अरविंद त्रिपाठी , लेखा कार्यालय के अवधेश त्रिपाठी एवं हिमांशु शर्मा शामिल रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर वाद– विवाद और भाषण प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सरदार भगत सिंह कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन (अ यूनिट ऑफ अवधा कॉलिजिएट)के प्रांगण में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर वाद– विवाद और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों द्वारा इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न होने वाली विभिन्न समस्याओं पर आधारित वैचारिक मुद्दों को उठाया गया। अध्यक्ष सर्वजीत सिंह वालिया निदेशिका जतिंदर वालिया ने अपने वक्तव्यों के माध्यम से सभी को जनसंख्या वृद्धि के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया।

करीब दो महीने बीतने को हैं, गोमतीनगर पुलिस गुमशुदा लड़की का नहीं लगा सकी पता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मनोज मिश्रा पुत्र स्वव करुणा शंकर मिश्रा निवासी–ई–3/253. विनीत खण्ड गोमतीनगर, लखनऊ–226010 की पुत्री लक्ष्मी मिश्रा मो0 7380817703 जो कि दिनांक 12 मई, 2023 को सायंकाल 5रू00 बजे गायब हो गई थी, जिसकी अपने स्तर से खोज–खबर करने के उपरान्त न मिलने पर, थाना– गोमतीनगर, लखनऊ को सूचना दी गई थी। बेटी को खोजने के लिए मनोज मिश्रा दिनांक 15 मई, 2023 को लखीमपुर खीरी गए थे। ज्ञात हुआ है कि उसकी पुत्री का शिव शंकर पाण्डेय उर्फ शिवा पाण्डेय पुत्र जय प्रकाश पाण्डेय निवासी–पनई खेरी, मोहम्मदी, जनपद–लखीमपुर ने अपहरण किया है। बताया गया है कि अपहरणकर्ता दबंग एवं अपराधिक प्रवृति के लोग हैं। मनोज मिश्रा ने आशंका जताई है कि अपहरणकर्ता पुत्री की हत्या कर लाश ठिकाने लगा चुके होंगें।

यूक्रेन ने 2022 में क्रीमिया पुल को किया था नष्ट, अब किया खुलासा

एजेंसी

कीव। यूक्रेन की उप रक्षा मंत्री हन्ना मालियार ने संकेत दिया है कि देश की सेना ने पिछले साल अक्टूबर में रूस और क्रीमिया को जोडने वाले पुल को नष्ट कर दिया था। 24 फरवरी 2022 को रूस द्वारा पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद से 12 यूक्रेनी उपलब्धियों को सूचीबद्ध करते हुए मलियार ने टेलीग्राम पर पोस्ट कियारू 273 दिन पहले, (हमने) रूसी लॉजिस्टिक्स को बाधित करने के लिए क्रीमिया पुल पर पहला हमला किया था। रिपोर्ट के अनुसार, उनकी पोस्ट में रूसी युद्धपोत मोस्कवा के डूबने (451 दिन पहले) और स्नेक आइलैंड की मुक्ति (373 दिन पहले) का भी जिक्र है। हालांकि, यूक्रेनी सरकार ने मंत्री के दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केर्च पुल, जिसने मुख्य भूमि रूस और रूसी कब्जे वाली क्रीमिया प्रायद्वीप के बीच प्रमुख परिवहन संपर्क को बाधित कर दिया था, को भी यूक्रेन ने ही उड़ाया था। केर्च पुल पर किए गए हमले से न केवल यूक्रेन में रूसी सैनिकों की आवाजाही को बहुत बड़ा झटका लगा था। इसे मॉस्को के लिए एक मनोवैज्ञानिक झटका और कीव के लिए एक बड़ी जीत की तरह लिया गया था। यूक्रेनी अधिकारियों ने उस समय विस्फोट का जश्न मनाया, लेकिन जिम्मेदारी का स्पष्ट दावा नहीं किया। केर्च पुल पर हमला, रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन के 70 वर्ष पूरे होने के अगले दिन किया गया था। उस दिन, यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव ओलेक्सी डेनिलोव ने मर्लिन मुनरो के हैप्पी बर्थडे, मिस्टर प्रेसिडेंट गाने के साथ पुल की आग की लपटों में घिरे वीडियो को शेयर किया था।

हिन्दी सांध्य दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी प्रभुदयाल श्रीवास्तव की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।